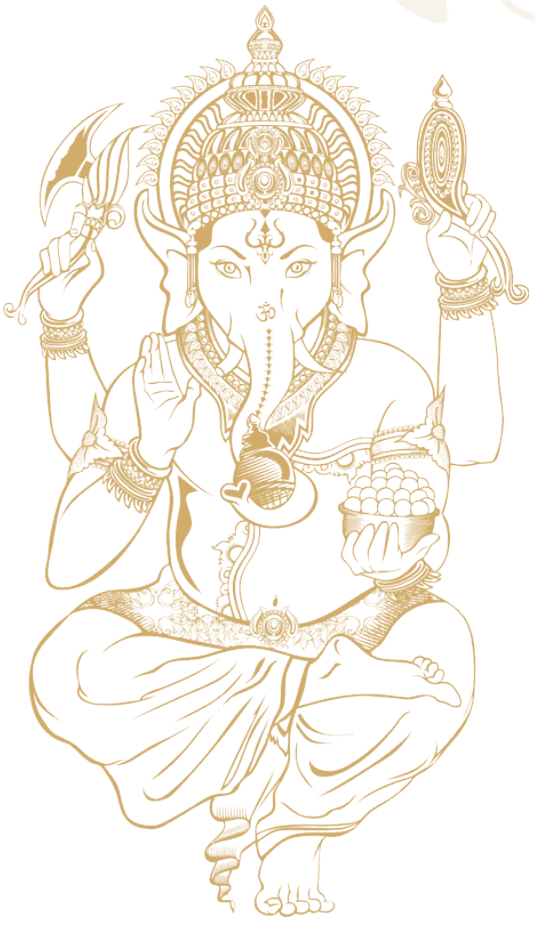

Mr.shivalik

Ms.Bibhuti Gupta

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120077303

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
24/05/1994	जन्म तिथि	27/12/1994
मंगलवार	दिन	मंगलवार
घंटे 17:34:00	जन्म समय	18:20:00 घंटे
घटी 31:23:52	जन्म समय(घटी)	29:25:17 घटी
India	देश	India
Patna	स्थान	Delhi
25:37:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
85:12:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:10:48	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:00:27	सूर्योदय	07:12:27
18:31:50	सूर्यास्त	17:31:48
23:46:56	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:25

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
गुरु 3वर्ष 9मा 16दि		27:40:24	तुला	लग्न	मिथु	23:15:13	मंगल 1वर्ष 3मा 23दि	
बुध		09:18:42	वृष	सूर्य	धनु	11:44:50	गुरु	
11/03/2017		00:10:12	वृश्चि	चंद्र	तुला	04:09:52	21/04/2014	
11/03/2034		06:38:19	मेष	मंगल	सिंह	08:37:27	21/04/2030	
बुध	07/08/2019	01:17:07	मिथु	बुध	धनु	19:25:14	गुरु	08/06/2016
केतु	03/08/2020	13:07:11	तुला व	गुरु	वृश्चि	10:02:08	शनि	20/12/2018
शुक्र	04/06/2023	10:20:41	मिथु	शुक्र	तुला	26:06:01	बुध	27/03/2021
सूर्य	10/04/2024	17:54:10	कुंभ	शनि	कुंभ	13:50:31	केतु	03/03/2022
चन्द्र	09/09/2025	00:02:22	वृश्चि व	राहु	तुला	19:42:04	शुक्र	01/11/2024
मंगल	06/09/2026	00:02:22	वृष व	केतु	मेष	19:42:04	सूर्य	20/08/2025
राहु	26/03/2029	02:20:08	मक व	हर्ष	मक	01:25:39	चन्द्र	20/12/2026
गुरु	02/07/2031	29:20:48	धनु व	नेप	धनु	28:36:45	मंगल	26/11/2027
शनि	11/03/2034	02:43:37	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	05:35:04	राहु	21/04/2030

लग्न-चलित

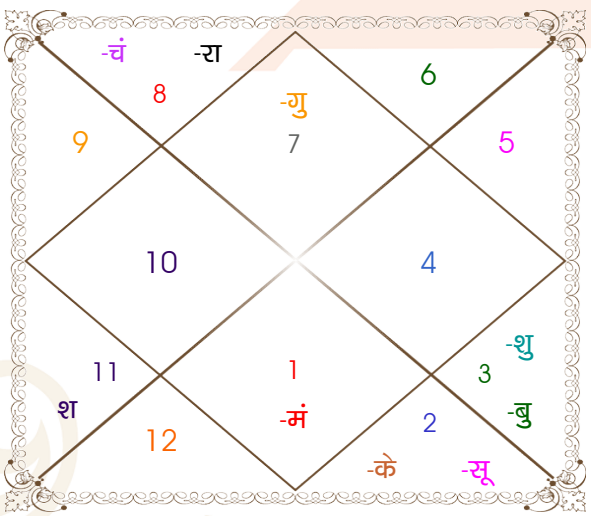

लग्न-चलित

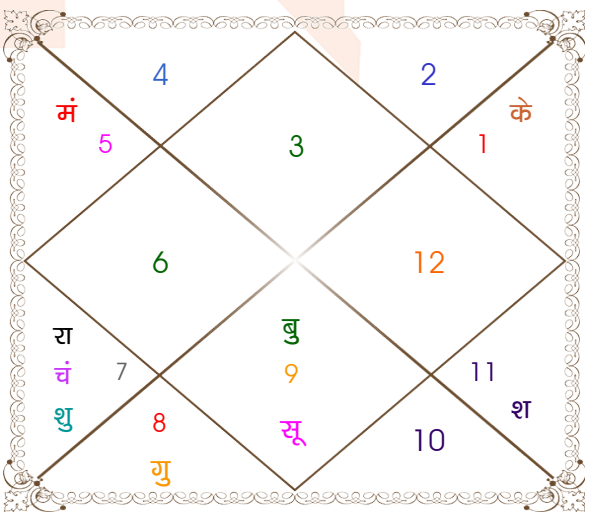

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	व्याघ्र	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शुक्र	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	तुला	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.50		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

डतणेपअंसपा का वर्ग सर्प है तथा डेण्ठपइीनजप ळनचजं का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतणेपअंसपा और डेण्ठपइीनजप ळनचजं का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

डतणेपअंसपा मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है। क्योंकि मंगल डतणेपअंसपा कि कुण्डली में सप्तम् भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि डतणेपअंसपा कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेण्ठपइीनजप ळनचजं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल डेण्ठपइीनजप ळनचजं कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतणेपअंसपा तथा डेण्ठपइीनजप ळनचजं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।